पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एक वर्षीय

PG Diploma - वैदिक दर्शन

पाठ्यक्रम-2023-24

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम- पी.जी. डिप्लोमा- (वैदिक दर्शन)

एक वर्षीय

कुल सामान्य नियम एवं प्रस्तावना

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा, जिसमें दो सत्र होगें।
- प्रत्येक सत्र में पाँच प्रश्नपत्र होंगे
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा।
- प्रत्येक पत्र में 30 अंकों की आन्तरिक एवं 70 अंको की बाह्य परीक्षा होगी।
- परीक्षा का माध्यम इच्छानुसार हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी होगा।
- प्रत्येक परीक्षा का निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।
- परीक्षा में 45% अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही उत्तीर्ण माना जायेगा।

शिक्षण और मूल्यांकन की योजना

पी.जी. डिप्लोमा वैदिक दर्शन

Semester-I

S.N.	Course Code	Course Title	Period per week			Hours	Evaluation scheme				Course
							Sessional			SEE	Total
			L	T	P		Credit	CT	TA		
1	**P.G.D. VDCT-101**	सांख्यकारिका-योग	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
2	**P.G.D. VDCT-102**	संस्कृत व्याकरण	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
3	**P.G.D. VDCT-103**	वैदिक साहित्य-1	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
4	**P.G.D. VDCT-104**	दर्शन प्रबोध	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
5	**P.G.D. VDCT-105**	वेद पचिय	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
								Total :-			**500**

Semester-II

S.N.	Course Code	Course Title	Period per week			Hours	Evaluation scheme				Course
							Sessional			SEE	Total
			L	T	P		Credit	CT	TA		
1	**P.G.D. VDCT-201**	वैदिक साहित्य-II	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
2	**P.G.D. VDCT-202**	संस्कृत व्याकरण	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
3	**P.G.D. VDCT-203**	संस्कृत साहित्य	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
4	**P.G.D. VDCT-204**	वेदाङ्ग एवं नीति प्रबोध	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
5	**P.G.D. VDCT-205**	योग चिकित्सा	4	1	-	60hrs	4	20	10	70	100
								Total :-			**500**

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - I

प्रश्नपत्र-प्रथम

P.G.D. VD-101- सांख्यकारिका-योग

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- योग दर्शन के समाधिपाद, साधनपाद, विभूतिपाद एवं कैवल्यपाद से अवगत कराना।
- सांख्य के सम्पूर्ण सिद्धान्तों को ईश्वरकृष्ण द्वारा प्रणीत सांख्यकारिका के माध्यम से अबोध कराना।
- उपरोक्त शास्त्रों के सूत्रों एवं कारिकाओं को कण्ठस्थ कराना।

प्रथम इकाई- समाधि पादः सूत्रस्मरण, सूत्राणां, संक्षिप्त व्याख्या।

द्वितीय इकाई- साधन पादः सूत्रस्मरण, सूत्राणां, संक्षिप्त व्याख्या।

तृतीय इकाई- विभूति पादः सूत्रस्मरण, सूत्राणां, संक्षिप्त व्याख्या।

चतुर्थ इकाई- कैवल्य पादः सूत्रस्मरण, सूत्राणां, संक्षिप्त व्याख्या।

पंचम इकाई- सांख्यकारिका निबन्धामक प्रश्नः

परिणाम-

- योग दर्शन के समाधिपाद, साधनपाद, विभूतिपाद एवं कैवल्यपाद का परिचय।
- सांख्य के सम्पूर्ण सिद्धान्तों को ईश्वरकृष्ण द्वारा प्रणीत सांख्यकारिका का परिचय।
- उपरोक्त शास्त्रों के सूत्रों एवं कारिकाओं का वाचन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - योगदर्शन, प्रकाशक-दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार
एवं सांख्यकारिका- गौडपादभाष्य सहित - आचार्य जगन्नाथशास्त्री।
प्रकाशक- 41 यू.ए. बंग्लो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-110007

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - I

प्रश्नपत्र-द्वितीय

P.G.D. VD-102- संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- ''वर्णोच्चारण शिक्षा'' ग्रन्थ के माध्यम से वर्णों के उच्चारण स्थान, तथा प्रयत्न विषयक ज्ञान प्रदान करना।
- संस्कृतभाषा में अनुवाद, शब्दरूप, धातुरूप तथा विविध सन्धियों का बोध कराना।
- सन्धि, कारक, विभक्तियों का बोध।

प्रथम इकाई- शिक्षा प्रकरण:- वर्णमाला परिचय, वर्णोच्चरण, प्रयत्न परिचय।
द्वितीय इकाई- संज्ञा प्रकरण:- प्रत्याहार, वृद्धि, गुण, स्वरण, घु, घी इत्यादि संज्ञाओ का परिचय।
तृतीय इकाई- परिभाषा प्रकरण:- वाचनिका, ज्ञापकसिद्धी, न्यायसिद्धीयादि परिभाषाओं का परिचय।
चतुर्थ इकाई- सहिंता प्रकरण:- अच्, हल् सन्धियों का परिचय।
पञ्चम इकाई- अनुवाद (1-50 अभ्यास), शब्दरूप, धातुरूप (1-15 अभ्यास)
षष्ठ इकाई- शास्त्र स्मरण एवं लेखन

परिणाम-

- ''वर्णोच्चारण शिक्षा'' ग्रन्थ के माध्यम से वर्णों के उच्चारण स्थान, तथा प्रयत्न विषयक विवरण।
- संस्कृतभाषा में अनुवाद, शब्दरूप, धातुरूप तथा विविध सन्धियों का परिचय।
- सन्धि का परिचय कराना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- व्याकरण चन्द्रोदय-प्रथम भाग, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार
सहायक- रचनानुवाद कौमुदी (डॉ. कपिल देव द्विवेदी) प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी-221001।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - I

प्रश्नपत्र-तृतीय

P.G.D. VD-103- वैदिक साहित्य-1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- उपनिषदों का परिचय कराना।
- ईश, केन, कठ, प्रश्न आदि के विषय में समझाना।
- ईश्वर के सच्चे स्वरूप में बोध कराना।
- आत्मा के स्वरूप का दिग्दर्शन कराना।
- ओंकारोपासना के विषय को स्पष्ट करना तथा उपनिषदों के मूलभूत सिद्धान्तों का समझाना।

प्रथम इकाई- ईशोपनिषद्,

द्वितीय इकाई- केनोपनिषद्,

तृतीय इकाई- कठोपनिषद्-चयनित बिन्दु (श्रेयमार्ग, प्रेयमार्ग, सांसारिक भोगों की नश्वरता, आत्मा व ब्रह्म का स्वरूप)

चतुर्थ इकाई- प्रश्नोपनिषद् चयनित बिन्दु (तप, ब्रह्मचर्य, श्रद्धा, दक्षिणायन, उत्तरायण ओंकार की उपासना, ब्रह्म की 16 कलाएँ।

पञ्चम इकाई- मन्त्रस्मरणंम् मन्त्राणां संक्षिप्त वर्णनम् निबन्धात्मक प्रश्नः

परिणाम :-

- उपनिषदों का परिचय।
- ईश, केन, कठ, प्रश्न आदि का परिचय।
- ईश्वर के सच्चे स्वरूप में विवरण।
- आत्मा के स्वरूप का दिग्दर्शन का परिचय।
- ओंकारोपासना के विषय को स्पष्ट करना तथा उपनिषदों के मूलभूत सिद्धान्तों का परिचय।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- एकादशोपनिषद् - डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार जी-

प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनपाल-डब्ल्यू-77 ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48

उपनिषद् संदेश, डॉ.साध्वी देवप्रिया, दिव्य प्रकाशन

सहायक ग्रन्थ- उपनिषद् रहस्य- पण्डित भीमसेन शर्मा।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - I

प्रश्नपत्र–चतुर्थ

P.G.D. VD-104- दर्शन प्रबोध

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट–4

- षड्दर्शनों के सिद्धान्तों का बोध कराना।
- षड्दर्शनों से सम्बन्धित प्रमुख संदर्भों को कण्ठस्थ कराना।

षड्दर्शन परिचय–

प्रथम इकाई– सत्कार्यवाद, पुरुषबहुत्व, परिणामवाद।

द्वितीय इकाई– ईश्वर, जीव, प्रकृति का स्वरूप, अविद्या एवं क्लेशों का स्वरूप, अष्टांग योग क्रियायोग, हेय, हेयहेतु, हान, हानोपाय, त्रिविध कर्म, कैवल्य योग, प्रतिप्रसव योग का संक्षिप्त परिचय।

तृतीय इकाई– 16 पदार्थो, 12 प्रमेय, 4 प्रमाण एवं छल, जाति व निग्रह स्थान का संक्षिप्त परिचय

चतुर्थ इकाई– मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन परिचय।

परिणाम–

- षड्दर्शनों के सिद्धान्तों का संक्षिप्त परिचय।
- षड्दर्शनों से सम्बन्धित प्रमुख संदर्भों को वाचन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– दर्शन प्रवेश - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

एवं षड्दर्शनम्, स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती।

प्रकाशन– विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली– 110006

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - I

प्रश्नपत्र–पञ्चम

P.G.D. VD-105- वैद परिचय

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट–4

- चारों वेदों में से चयनित मंत्रों के अभिप्राय को समझाना।
- श्रीमद्भगवदगीता के पूर्वार्द्ध भाग कर्मादि के उपदेश की शिक्षा का बोध।

प्रथम इकाई– 3 सूक्त

द्वितीय इकाई– अग्नि, श्रद्धा, पुरुष, वागाम्भ्रणी, नासदीय एवं संगठन सूक्त स्मरण एवं अर्थ सहित व्याख्या।

तृतीय इकाई– गीता– पूर्वार्द्ध स्मरण एवं संक्षिप्त परिचय

परिणाम–

- चारों वेदों में से चयनित मंत्रों के अभिप्राय को समझाना एवं परिचय कराना।
- श्रीमद्भगवदगीता के पूर्वार्द्ध भाग कर्मादि के उपदेश की शिक्षा से परिचय कराना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– स्वाध्यायामृत, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

सहायक–ग्रन्थ– उपनिषद् संदेश एवं श्रीमद्भगवद्गीता, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - II

प्रश्नपत्र–प्रथम

P.G.D. VD-201- वैदिक साहित्य II

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

क्रेडिट–4

- रामायण में सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का बोध कराना।
- उपनिषद्ों में निरूपित सिद्धातो से अवगत कराना।
- उपरोक्त ग्रन्थों के श्लोक एवं मत्रों को कण्ठस्थ कराना।

प्रथम इकाई– रामायण सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड के चयनित प्रसंग

द्वितीय इकाई– छान्दोग्यं

तृतीय इकाई– बृहदारण्यक

चतुर्थ इकाई– श्वेताश्वतरोपनिषद् के चयनित प्रसंग

(कण्ठस्थीकरण एवं विषय परिचय)।

परिणाम–

- रामायण में सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का परिचय कराना।
- उपनिषद्ों में निरूपित सिद्धातो से परिचय।
- उपरोक्त शास्त्रों के सूत्रों को वाचन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– दर्शन प्रवेश - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

एवं षड्दर्शनम्, स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती।

प्रकाशन– विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली– 110006

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - II

प्रश्नपत्र–द्वितीय

P.G.D. VD-202- संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट–4

- संस्कृतभाषा के विशेष ज्ञान के लिए समासों का बोध।
- विभक्ति विषयक ज्ञान, शब्द रूप, धातुरूप तथा अन्य अवशिष्ट सन्धियों का भी सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

प्रथम इकाई– समास

द्वितीय इकाई– विभक्ति

तृतीय इकाई– कारक

चतुर्थ इकाई– शब्दरूप, धातुरूप (16–30 अभ्यास)

परिणाम–

- संस्कृतभाषा के विशेष ज्ञान के लिए समासों का अध्ययन कराना।
- विभक्ति विषयक ज्ञान, शब्द रूप, धातुरूप तथा अन्य अवशिष्ट सन्धियों का भी सम्यक परिचय।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– व्याकरण प्रवेश एवं व्याकरण चन्द्रोदय भाग 2, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार।

सहायक-ग्रन्थ– रचनानुवाद कौमुदी (डॉ. कपिल देव द्विवेदी) प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी–221001।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - II

प्रश्नपत्र-तृतीय

P.G.D. VD-203- संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- मुण्डक, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, श्वेताश्तरोपनिषद् आदि की मूल शिक्षाओं का बोध कराना।
- आत्मा परमात्मा के स्वरूप का बोध तथा श्रीमद्भगवद्गीता के 9 से 18 अध्याय का सारोपदेश समझाना।

प्रथम इकाई-	मुण्डकोपनिषद्- प्रणव के द्वारा उसी को जानों,
	तैतिरीयोपनिषद्- शिक्षावल्ली, ब्रह्मनन्द वल्ली।
द्वितीय इकाई-	छान्दोग्योपनिषद्- प्रथम प्रपाठक- 1-5 खण्ड,
	तृतीय प्रपाठक- खण्ड-13,16,18,19
तृतीय इकाई-	चतुर्थ प्रपाठक- खण्ड-1-9, 16,17
	पञ्चम प्रपाठक- खण्ड-1, 11-14
चतुर्थ इकाई-	षष्ठ प्रपाठक-1-16 खण्ड
	सप्तम प्रपाठक- 1-26 खण्ड, अष्टम प्रपाठक (1-2 खण्ड)
पञ्चम इकाई-	श्वेताश्वतर- 1-4 अध्याय
षष्ठ इकाई-	शास्त्र स्मरण एवं लेखन

परिणाम-

- मुण्डक, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, श्वेताश्तरोपनिषद् आदि की मूल शिक्षाओं का परिचय।
- आत्मा परमात्मा के स्वरूप का बोध तथा श्रीमद्भगवद्गीता के 9 से 18 अध्याय का सारोपदेश का विवरण।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- एकादशोपनिषद् - डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार जी-

प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनपाल-डब्ल्यू-77 ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48

सहायक ग्रन्थ - उपनिषद् रहस्य- महात्मा नारायण स्वामीजी, पण्डित भीमसेन शर्मा।
प्रकाशक- श्री घूड़मल प्रहलादकुमार आर्य धर्मार्थ न्यास, हिण्डौन सिटी (राजस्थान)-322230
एवं उपनिषद् संदेश, प्रकाशक-दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - II

प्रश्नपत्र-चतुर्थ

P.G.D. VD-204- वेदाङ्ग एवं नीति प्रबोध

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- नीति शिक्षाओं का तथा नैतिक मूल्यों की अभिवृद्धि के लिए समापन महाभारत के चयनित श्लोकों का बोध कराना।
- बृहदारण्यकोपनिषद् के पञ्चम अध्याय 3 से 12 ब्राह्मण तक की शिक्षाओं का बोध कराना।
- श्रीमद्भगवद्गीता का उत्तरार्द्ध एवं नवधा भक्ति का बोध।
- वेदाङ्ग के परिचय

प्रथम इकाई- गीता- उत्तरार्द्ध, नवधा भक्ति
द्वितीय इकाई- नीतिग्रन्थ- चाणक नीति, विदुर नीति, भर्तृ हरि नीति शतकम् के चयनित 20-20 श्लोक
तृतीय इकाई- महाभारत शान्ति पर्व के 100 श्लोक चयनित
चतुर्थ इकाई- वेदाङ्ग परिचय

परिणाम-

- बृहदारण्यकोपनिषद् के पञ्चम अध्याय 3 से 12 ब्राह्मण तक की शिक्षाओं का परिचय।
- श्रीमद्भगवद्गीता का उत्तरार्द्ध एवं नवधा भक्ति से परिचित कराना।
- नीति शिक्षाओं का तथा नैतिक मूल्यों की अभिवृद्धि के लिए समापन महाभारत के चयनित श्लोकों का परिचय।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- स्वाध्यायामृत, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट)। गीता-सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार
महाभारत-नई पुस्तक
वेदाङ्ग परिचय-आचार्य आनन्द प्रकाश जी

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम - P.G. Diploma - Vaidik Darshan

Semester - II

प्रश्नपत्र-पंचम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- क्रेडिट-4

- योग चिकित्सा का परम्परागत महत्व बताना।
- रोग का योग द्वारा निदान के विभिन्न उपाय बताना।
- एक्युप्रेशर तकनीक द्वारा शारीरिक/तंत्रिका तंत्रों पर प्रभाव बताना।
- हवन/धुआ के माध्यम से रोगानुसार यज्ञचिकित्सा का परिचय कराना।

    - प्रथम इकाई- योग चिकित्सा परिचय
    - द्वितीय इकाई- रोगानुसार योग
    - तृतीय इकाई- एक्युप्रैशर
    - चतुर्थ इकाई- यज्ञ चिकित्सा विज्ञान

परिणामः-

- योग चिकित्सा के परम्परागत विधियों से अवगत कराना।
- रोग की प्रकृति के अनुसार योग पद्वति का बोध कराना।
- एक्युप्रेशर के माध्यम से स्वास्थय का रक्षण।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकः- वेलनेस-उपचार पद्धति, प.पू.गुरुदेव